इंजीनियरों के लिए बीईएसटी सेंटर की शुरुआत

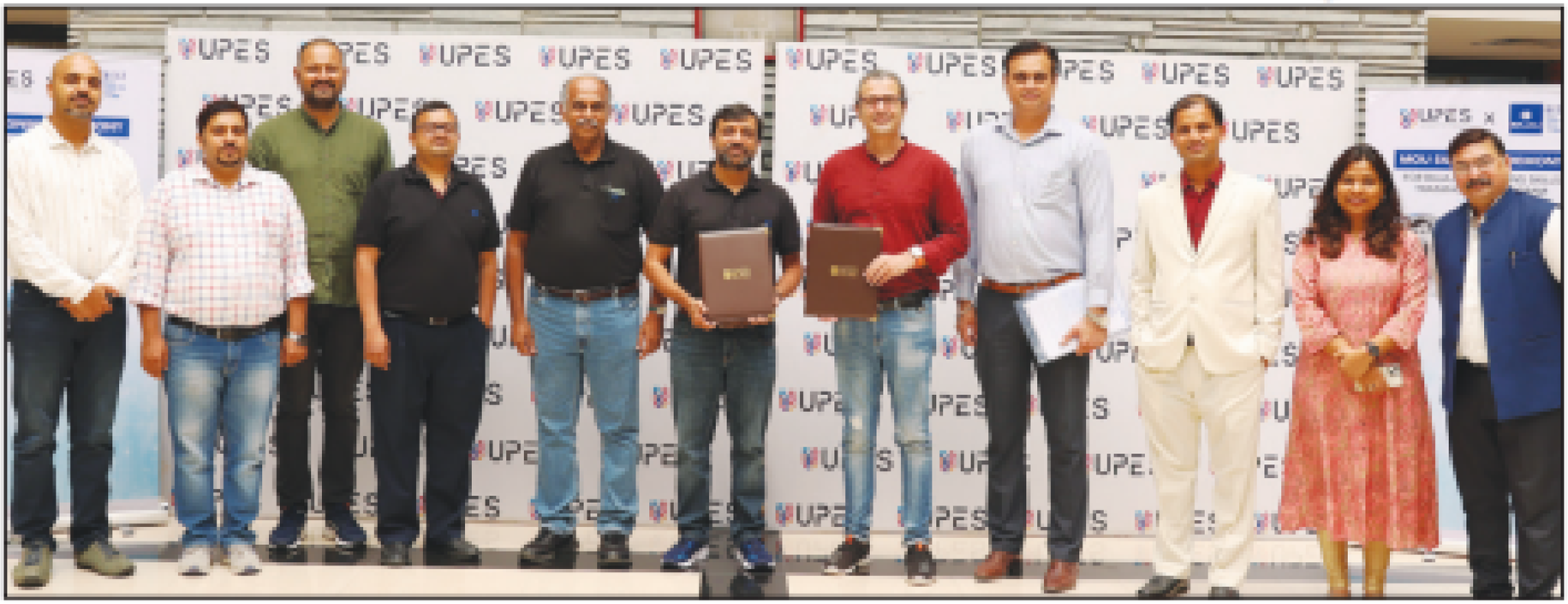

देहरादून, 5 अगस्त (नवोदय टाइम्स) : यूपीईएस और बजाज ऑटो लिमिटेड ने इंजीनियरिंग स्नातकों और डिप्लोमा धारकों को उभरती हुई 21वीं सदी की तकनीकों में प्रशिक्षित करने के लिए साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत, बजाज ऑटो अपनी सीएसआर प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में यूपीईएस में एक एडवांस्ड बजाज इंजीनियरिंग कौशल प्रशिक्षण (बीईएसटी) केंद्र स्थापित करेगा।

बीईएसटी बजाज ऑटो लिमिटेड की प्रमुख सीएसआर पहल है, जिसका उद्देश्य भारत के शीर्ष विश्वविद्यालयों के सहयोग से अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं स्थापित करके टियर 2 और टियर 3 इंजीनियरिंग और डिप्लोमा कॉलेजों के

यूपीईएस और बजाज ऑटो के बीच हुई साझेदारी

इंजीनियरों को सशक्त बनाना है। यह संयुक्त प्रयास दो फुल टाइम ट्रेनिंग प्रोग्राम प्रदान करेगा, एक डिप्लोमा इंजीनियरों के लिए और दूसरा स्नातक इंजीनियरों के लिए। यूपीईएस परिसर में दोनों कार्यक्रमों की मेजबानी करेगा। विभिन्न इंजीनियरिंग और डिप्लोमा कॉलेजों के छात्रों को आमंत्रित करेगा।

बीईएसटी कार्यक्रम मेक्ट्रोनिक्स, मोशन कंट्रोल और सेंसर टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स और ऑटोमेशन और इंडस्ट्री 4.0 और स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग में प्रशिक्षण प्रदान करेगा। पाठ्यक्रम इंडस्ट्री की मांगों को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है और इसका उद्देश्य मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री में मौजूदा कौशल अंतर को पाटना है। इसके अतिरिक्त, बीईएसटी कार्यक्रम आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के युवा शिक्षार्थियों को रोजगार के अवसरों को बढ़ाने में सहायता करेगा। यूपीईएस के वाइस चांसलर डॉ. राम शर्मा ने कहा कि यूपीईएस में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और छात्रों को इंडस्ट्री के लिए तैयार करने की हमारी कमिटमेंट अटल है।

बजाज ऑटो लिमिटेड के सीएसआर के वाइस प्रेजिडेंट सुधाकर गुडीपति ने कहा कि हमारे बेस्ट कार्यक्रम के माध्यम से लक्ष्य भारत के कौशल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना और युवाओं को सशक्त बनाना है।